तुम बिन कौन हमारो 5555 ओ मैयाजी 5555 तुम बिन कौन हमारो

सब संसार परख में हारो साथो छारण तिहारो डडडड सो मैंयाजी. तुम बिनकीन हमारो

वाहरी निद्या नाव पुरानी दुनियाँ देखी - उमानी जानी दूम बिन मेंग हमारो नम बिन मेंग हमारो मन खाकुल महीं - चैन नहीं है मुझ दुखिया को रैन नहीं है अब तो उमान निहारोऽ अ में मैयाजी. तुम बिन मोन हमारो जग जननी - जग तार्गी मैया पार भँवर से हो मेरी नैया दास श्रीबाबाशी "तुम्हारोऽ अ सेवाजी तुम बिन ---